अमर उजाला 23 जुलाई 2015

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सौ यूनिट रक्तदान

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में लगे रक्तदान कैंप में रक्तदान करते रक्तदानी।

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में बुधवार को लगे रक्तदान शिविर में सौ महादानियों ने ब्लड डोनेट किया। मायांजलि चैरिटेबल ब्लड बैंक और रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में लगे शिविर में भारी संख्या में स्टूडेंटों ने रक्तदान किया।

संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि रक्तदान से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता और एक यूनिट ब्लड से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। 18 वर्ष से 60 वर्ष आयु वर्ग वाले हर स्वस्थ स्त्री, पुरुष को रक्तदान करना चाहिए। हर तीन महीने के अंतराल पर रक्तदान किया जा सकता है। ब्लड बैंक के डॉ. एके गुप्ता ने रक्तदान कराया। संस्थान में दंत परीक्षण शिविर भी लगाया गया। डॉ. रोहित तिवारी और डॉ. प्रीती तिवारी ने स्टाफ और स्टूडेंटों का निशुल्क दंत परीक्षण कर सलाह दी। संस्थान के जितेंद्र सिंह, डॉ. सीमा, डॉ. पीके जैन, एके गर्ग, डॉ. स्वेन आदि ने भी रक्तदान किया। सहायक आचार्य जैव रसायन एवं मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष कुमार आदि ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दुस्तान 23 जुलाई 2015

बुधवार को एनएसआई के शिविर में रक्तदान करने को आतुर दिखे युवा।

एनएसआई के रक्तदान शिविर में उमड़े लोग

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मायांजलि और रोटरी क्लब की ओर से आयोजन किया गया था। निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन ने बताया कि शिविर में शिक्षकों और छात्रों ने 100 यूनिट रक्तदान किया। इसमें प्रमुख रूप से डॉ. एके गर्ग, डॉ. स्वैन, जितेन्द्र सिंह, डॉ. संतोष कुमार और डॉ. पीके जैन ने भी रक्तदान किया। डॉ. रोहित तिवारी और डॉ. प्रीति तिवारी ने दंत परीक्षण किया।